CBSE Class 12 Hindi Elective(Set 29/2/2) Question Paper 2026

Time Allowed :3 Hour 15 Minutes	**Maximum Marks :**80	**Total Questions :**12

General Instructions

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

1. इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 13 है।
2. इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं - खंड-'क', 'ख' और 'ग'।
3. तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
4. दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
5. यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

1. इस समूह में
इस अनगिनत अजनबी आवाजों में
कैसा दर्द है
कोई नहीं सुनता।
पर इन आवाजों को
और इन कराहों को
दुनिया सुने मैं ये चाहूँगा।

इस समूह में
इस अनगिनत अजनबी आवाजों में
कैसा दर्द है
कोई नहीं सुनता।
पर इन आवाजों को
और इन कराहों को
दुनिया सुने मैं ये चाहूँगा।

मेरी तो आदत है
रोशनी जहाँ भी हो
उसे खोज लाऊँगा
कातरता, चुप्पी या चीखें,
या हारे हुओं की खीज
जहाँ भी मिलेगी
(उन्हें प्यार के सितार पर बजाऊँगा
...... मैं कल फिर जनम लूँगा
कल फिर आऊँगा।)

(i). कविता का वक्ता पुनर्जन्म लेने की बात क्यों कर रहा है ?
(A) पूर्व जन्म की इच्छाओं की पूर्ति के लिए
(B) महात्मा गांधी का उनका अधिकार दिलाने के लिए
(C) मातृभूमि की संतानो की रक्षा करने के लिए
(D) देश को पुनरुत्थान करने के लिए

(ii). कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कॉलम-I	**कॉलम-II**
1. कंठ देना 2. पीठ सहलाना 3. रोशनी में उठाना	i. दर्द बाँटना ii. सहारा देना iii. अपनाना

(A) (1-ii), (2-iii), (3-i)
(B) (1-iii), (2-i), (3-ii)
(C) (1-ii), (2-i), (3-iii)
(D) (1-i), (2-iii), (3-ii)

(iii). 'अचीन्ही आवाज़' किनकी हैं ?
(A) सर्वहारा वर्ग की
(B) स्वतंत्रता सेनानियों की
(C) साधारण आदमी की
(D) अपरिचित लोगों की

(iv). काव्यांश में प्रयुक्त 'रोशनी' से क्या अभिप्राय है ?

(v). काव्यांश में कौन पुनर्जन्म लेने की बात कर रहा है ? उसकी दो विशेषताएँ लिखिए।

(vi). कातरता, चुप्पी या चीखों को प्यार के सितार पर बजाने से क्या अभिप्राय है ?

---

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
जल ही जीवन है, जल को बचा लेना जैसे भावी जीवन को बचा लेना है। गर्मी बढ़ने के साथ ही जल की जरूरत और अधिक महसूस की जाती है। जल-संकट के मौजूदा हालात को देखते हुए जल आपूर्ति के विकल्प के रूप में तरण-तारिणी तालाब के महत्त्व को आज समझने की ज़रूरत है। जब देश में बड़े-बड़े बाँध अस्तित्व में नहीं थे, तब तालाब ही हमारे सिंचाई का एकमात्र साधन थे। वायु प्रवाह एवम् पर्यावरण के संतुलन की भूमिका में तालाब सहायक रहे हैं। आज जल-प्रबंधन और जल संचयन के हार्वेस्टिंग सिस्टम की जो दलीलें दी जाती हैं वह तालाब की संरचना है। तालाब हमारे जल सरोकार

के परंपरागत साधन रहे हैं, उसे और अधिक वृहत् और विकसित रूप देकर इस साधन का अधिकाधिक लाभ ले सकते हैं।

बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए यदि जल आपूर्ति का वास्तविक चिंतन करें तो तालाब को सुविधा के सागर के रूप में देख सकते हैं। लोक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तालाबों के संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता मिले यह समय की ज़रूरत है। भोपाल का रानी सरोवर हो, या पाण्डु महल को आकार देता विशाल सरोवर अथवा रायपुर को दर्शनीय बनाता बूढ़ा तालाब, सौंदर्यीकरण का इससे बेहतर मिसाल वह भी इसके नैसर्गिक रूप में और क्या हो सकता है। नदी, तालाब एवम् सागर से होकर गुजरने वाली हवाएँ बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी होती हैं।

तालाब में सिर्फ जल ही नहीं होता बल्कि इसमें लोक दर्शन के तत्त्व भी मौजूद होते हैं। ग्राम्य संस्कृति में लोक आस्था के दो मुख्य केंद्र हैं - पहला चौपाल, दूसरा तालाब। मंगल उत्सव हो या दारुण-गाथा, चर्चा में तल्लीनता देखी व सुनी जा सकती है। हमारे तालाब की लोक-संस्कृति का ही कमाल है कि हम बिना किसी शुल्क के सूर्य दर्शन व प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ उठा लेते हैं।

तालाब हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। हमें इसकी वर्तमान दशा को सुधारना होगा तभी भविष्य में उसकी मौजूदगी का लाभ हम ले सकेंगे।

(i) वर्षा जल संचयन के किस पारंपरिक रूप का वर्णन गद्यांश में किया गया है ?

(A) नदी
(B) तालाब
(C) कुआँ
(D) बावड़ी

---

1. (ii) गद्यांश में तालाबों के लिए 'तरण-तारिणी' विशेषण का प्रयोग उसकी किस विशेषता को दर्शाने के लिए किया गया है ?

(A) बच्चों-बड़ों के तैरने के काम आने की
(B) बड़े-बूढ़ों की बातचीत का आधार स्थल होने की
(C) जल-आपूर्ति का प्रमुख स्रोत होने की
(D) धार्मिक रीति-रिवाजों का आधार स्थल होने की

(iii). गद्यांश में रानी सागर, बूढ़ा तालाब और विशाल सागर का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ?

(A) इन तालाबों के रूपाकार से परिचित कराने के लिए
(B) भारतीय संस्कृति में तालाबों की महत्ता दर्शाने के लिए
(C) तालाबों की भव्यता का उल्लेख करने के लिए
(D) मध्य भारत की वास्तुकला से परिचित कराने के लिए

(iv). पर्यावरण-संतुलन बनाए रखने में तालाबों की क्या भूमिका है ?

(v). ग्रामीण संस्कृति में तालाबों का क्या महत्त्व है ?

(vi). जल-संचयन एवं जल-संरक्षण के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(vii). हमारे पूर्वज जल-संचयन और संरक्षण के मामले में हमसे अधिक समझदार थे, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
(i). टी.वी. के संदर्भ में नैट या नैट-साउंड से क्या अभिप्राय है ? इनकी क्या उपयोगिता है ?
(शब्द सीमा — लगभग 20 शब्द)

(ii). भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की स्थिति स्पष्ट कीजिए।

(iii). खोजी रिपोर्ट और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के बीच का अंतर स्पष्ट कीजिए।

4.
निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
(i) प्राकृतिक आपदाओं का विकराल रूप

(ii) जब मैंने अध्यापक/अध्यापिका की भूमिका निभाई

(iii) जब पिताजी का स्थानांतरण दुर्गम स्थान में हुआ

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
(i). चित्रकला, संगीतकला, नृत्यकला की तरह कविता लेखन की कला सिखाई क्यों नहीं जा सकती ?

(ii). नाटक के मंच निर्देश हमेशा वर्तमान काल में ही क्यों संयोजित किए जाते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।

(iii). कहानी किसे कहते हैं ? इसके तत्वों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

8. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प का चयन कर लिखिए :
बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन को पीढ़ी दी और आँख के इशारे से कुछ देर चुपचाप बैठने को कहा। बड़ी हवेली नाममात्र की ही बड़ी हवेली है। .... बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया। तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई-झगड़ा शुरू किया। रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गाँव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया-कहाँ जाती बेचारी। भगवान

भले आदमी को ही कष्ट देते हैं। नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते ? .... बड़ी बहुरिया की देह से जेवर खींच-खींचकर बँटवारे की लीला हुई थी। हरगोबिन ने देखी है अपनी आँखों से द्रौपदी चीर-हरण लीला। बनारसी साड़ी को तीन टुकड़े करके बँटवारा किया था, निर्दयी भाइयों ने। बेचारी बड़ी बहुरिया।

(i). गद्यांश में किस खेल के खत्म होने की बात हो रही है ?

(A) लोगों की लगने वाली भीड़ के
(B) भाइयों के बीच बैर-भाव के
(C) हवेली में लगने वाले तमाशों के
(D) बड़ी हवेली की सुख-समृद्धि के

(ii). 'भगवान भले आदमी को ही कष्ट देते हैं' — कथन के समर्थन में विकल्प है —

(A) बड़ी हवेली का नाममात्र का ही बड़ी रहना
(B) कठिन घड़ी में नौकर-चाकरों का चले जाना
(C) बड़े भैया का अचानक मृत्यु को प्राप्त हो जाना
(D) बड़ी बहुरिया से साड़ी और जेवर छीन लेना

(iii). 'रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया' — वाक्य में प्रयुक्त 'रैयत' शब्द का अर्थ है —

(A) प्रजा
(B) राजा
(C) जमींदार
(D) महाजन

(iv). 'नाममात्र की ही बड़ी हवेली है' – से अभिप्राय है –

(A) बड़ी हवेली की अवस्था जर्जर हो गई है ।
(B) बड़ी हवेली में अब कोई नहीं रहता ।
(C) बड़ी हवेली की देखभाल करने वाला कोई नहीं है ।
(D) बड़ी हवेली की शानो-शौकत खत्म हो गई है ।

(v). गद्यांश में 'द्रौपदी - चीर-हरण' प्रसंग का उल्लेख क्यों किया गया है ?

(A) महाभारत के प्रसंग से अवगत कराने हेतु
(B) बड़ी बहुरिया की दीन-हीन स्थिति से अवगत कराने हेतु
(C) संपत्ति बँटवारे के दौरान बड़ी बहुरिया के साथ हुए अन्याय को दर्शाने हेतु
(D) संपत्ति बँटवारे के दौरान बड़ी बहुरिया के देवरों की निर्दयता को दर्शाने हेतु

---

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन कर लिखिए :

फागुन पवन झकोरा बहा । चौगुन सीउ जाइ किमि सहा ।। तन जस पियर पात भा मोरा । बिरह न रहै पवन होइ झोरा ।। तरिवर झरें झरें बन ढाँखा । भइ अनपत फूल फर साखा ।। करिहूँ बनाकति कीन्ह हुलासू । मो कहूँ भा जग दून उदासू ।। फागु करहिं सब चाँचरि जोरी । मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी

।। जौं पै पिउहि जरत अस भावा । जरत मरत मोहि रोस न आवा ।। रातिहु देवस इहै मन मोरें । लागौ कंत छार जेहि तौरें ।। यह तन जारौं छार कै, कहौ कि पवन उड़ाउ । मकु तेहि मारग होइ परौं कंत धरे जहँ पाउ ।।

(i). फागुन मास की शीत को चौगुना कौन बढ़ा रहा है ?

(A) वृक्षों से झड़ने वाले पत्ते
(B) पवन के झकोरे
(C) वनों की ढाँखें
(D) होली का पर्व

(ii). वृक्षों से झड़ने वाली बन ढाँखों से विरहिणी नायिका का क्या संबंध है ?

(A) विरहिणी की विरह-वेदना को बढ़ा रही हैं।
(B) राजा रत्नसेन की याद दिला रही हैं।
(C) प्रिय मिलन की धूमिल आशाओं को दर्शा रही हैं।
(D) उसे अतीत की स्मृतियों में ले जा रही हैं।

(iii). निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :
कथन : नागमती अपने शरीर को जलाकर राख कर देना चाहती है ।
कारण : राख के रूप में प्रिय के चरण स्पर्श करने का सौभाग्य प्राप्त करना चाहती है ।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है ।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है ।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(iv). कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कॉलम-I	**कॉलम-II**
1. शरीर को जलाकर राख कर देना	i. रानी नागमती का गतिहीन शरीर
2. दु:ख से झरे पीले पत्ते	ii. होली के अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करना
3. सबका चाँचरि जोर कर खेलना	iii. सर्वस्व त्याग और समर्पण की भावना

(A) (1-i), (2-iii), (3-ii)
(B) (1-iii), (2-i), (3-ii)
(C) (1-iii), (2-ii), (3-i)
(D) (1-ii), (2-i), (3-iii)

(v). काव्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कथन नहीं है —

(A) फागुन आते ही सब रंगीन वस्त्र धारण कर श्रृंगार करने लगते हैं।
(B) फागुन का पवन शीत (ठंड) को चौगुना कर रहा है।
(C) होली का पर्व नागमती की विरह-अग्नि को बढ़ा रहा है।
(D) नागमती दिन-रात राजा रत्नसेन से मिलन की कामना करती है।

---

10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

(i). आचार्य शुक्ल की बाल बुद्धि भारतेंदु हरिश्चंद्र और राजा हरिश्चंद्र नाटक के नायक हरिश्चंद्र में अंतर क्यों नहीं कर पाती थी ? पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii). "मेरे सिर पर सींग निकल रहे थे" - 'शेर' कहानी से उद्धृत इस कथन का क्या आशय है ? लेखक शहर से जंगल की ओर क्यों भागा था ?

(iii). अतुलित प्राकृतिक सौंदर्य के बावजूद सिंगरौली 'कालापानी' के नाम से क्यों जाना जाता है ? पाठ के संदर्भ में लिखिए।

---

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

(i). 'बहुत दिनान को' — कवित्त के आधार पर घनानंद की स्थिति का वर्णन कीजिए।

(ii). 'यह लता वहीं की, जहाँ कली तू खिली' — पंक्ति में प्रयुक्त 'लता और कली' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii). वसंत आगमन पर बनारस शहर की जागृति और चेतना का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।

---

12. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में कीजिए :

(i). कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि यह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।

(ii). पहचानता हूँ उजाड़ के साथी, तुम्हें अच्छी तरह पहचानता हूँ। नाम भूल रहा हूँ। प्राय : भूल जाता हूँ। रूप देखकर प्राय : पहचान जाता हूँ, नाम नहीं याद आता। पर नाम ऐसा है कि जब तक रूप के पहले ही हाज़िर न हो जाए तब तक रूप की पहचान अधूरी रह जाती है। .... सैकड़ों बार का कचारा-निचोड़ा प्रश्न सामने आ गया — रूप मुख्य है या नाम ? नाम बड़ा है या रूप ? पद पहले है या पदार्थ ? पदार्थ सामने है, पद नहीं सूझ रहा है। मन व्याकुल हो गया। स्मृतियों के पंख फैलाकर सुदूर अतीत के कोनों में झाँकता रहा।

---

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए :

(i). दिया, लालटेन, चिराग और मोम के अलावा हम में भरे दाँत सूरदास का पेशा कौन सा था ? भला फिर कौन-सी ऊँचाई हो कि दिन-नयन की तरह न चमके के दोनों हाथों में उठा लूँ ? 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii). 'विकास की गंगा' पाठ में वर्णित यक्ष्मा की दुखद व्यथा को स्पष्ट कीजिए।

(iii). विकास की औद्योगिक सभ्यता के विरुद्ध जो असमंजस बढ़ने के क्या कारण हैं ? पर्यावरणीय बदलाव तथा चरागाह के उपायों का उल्लेख कीजिए।